Naidunia (Indore), 05th October 2025, Naidunia City, Page – IV

मानव गरिमा व विकास का प्रतीक है स्वच्छता

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) के सहयोग से मोबाइल टायलेट प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इसका उद्देश्य बड़े आयोजनों और सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षित, समावेशी और सतत स्वच्छता प्रबंधन के लिए नई रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना था।

उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि स्वच्छता केवल अवसंरचना नहीं, बल्कि यह मानव गरिमा और सतत विकास का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा कि जब डिजाइन, तकनीक और शासन मिलकर काम करते हैं तो भारत सार्वजनिक स्वच्छता के क्षेत्र में वैश्विक मानक स्थापित कर सकता है। प्रो. जोशी ने सिंगापुर के एनटीयू विश्वविद्यालय में देखे गए 3डी-प्रिंटेड टायलेट प्रोजेक्ट का उदाहरण दिया। वे कहते हैं कि इस प्रकार के नवाचार भारत की स्वच्छता व्यवस्था को नया रूप दे सकते हैं।

आइआइटी इंदौर में राष्ट्रीय कार्यशाला में उपस्थित सभी सदस्य ● सौजन्य

- मोबाइल टायलेट प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित
- स्वच्छता प्रबंधन के लिए नई रणनीतियों पर विचार

संस्थान के सहायक प्रोफेसर डा. आशुतोष मंडपे ने अपने टीईईएस फ्रेमवर्क (तकनीकी, आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक) को प्रस्तुत किया, जो मोबाइल टायलेट डिजाइन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है।